वाक्य-भेद

(अर्थ की दृष्टि से)

वाक्य–भाषा की सबसे छोटी इकाई को वाक्य कहा जाता है। वाक्य की रचना सार्थक शब्दों के मेल से होती है और सार्थक वाक्यों के समूह को भाषा कहते हैं। इस प्रकार 'जिस साधन से लिखने या बोलने वाले का आशय पूरा-पूरा प्रकट हो, उसे वाक्य कहते हैं।

"सार्थक शब्दों का वह व्यवस्थित समूह जिसमें भावों-विचारों को प्रकट करने की क्षमता हो, उसे वाक्य कहते हैं।"

वाक्य के गुण

वाक्य में निम्नलिखित छह गुण या विशेषताएँ अवश्य होनी चाहिए–

(1) **सार्थकता**–सामान्यतया वाक्य-रचना के लिए सार्थक शब्दों का प्रयोग किया जाता है किंतु निरर्थक शब्द भी वाक्य में प्रयुक्त होकर अर्थ की अभिव्यक्ति करने लगते हैं, जैसे–

देखो, तुम दोनों की चिक-चिक मुझे तनिक भी पसंद नहीं है।

कुछ भी करने से पहले झिक-झिक करना तुम लोगों की आदत बन गई है।

(2) **योग्यता**–यहाँ योग्यता का अर्थ है–क्षमता। अर्थात् वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक सार्थक शब्द में प्रसंग के अनुरूप अर्थ देने की क्षमता होनी चाहिए; जैसे–रुक्मिणी चाय खाती है।

ध्यान दीजिए कि इस वाक्य में प्रयुक्त सभी शब्द सार्थक हैं परंतु वाक्य के प्रसंगानुरूप 'खाती' शब्द अर्थ नहीं दे रहा है, क्योंकि चाय 'खाई' नहीं बल्कि 'पी' जाती है। इस वाक्य का शुद्ध रूप तथा अन्य उदाहरण निम्नलिखित हैं–

रुक्मिणी चाय पीती है।　　संचिता बाज़ार जाती है।

रघु बर्तन बनाता है।　　माली-पौधशाला में बीज बोता है।

(3) **आकांक्षा**–इसका अर्थ है–इच्छा। वाक्य में आकांक्षा या इच्छा नहीं होनी चाहिए। अर्थात् वाक्य पूरा होना चाहिए। इसमें शब्द पूरे होने चाहिए, जिससे अर्थ की अभिव्यक्ति पूर्ण हो सके; जैसे–

स्वेटर बुनती है।　　हिंदी पढ़ाते हैं।　　किसान फसल रहा है।

इन वाक्यों से अर्थ की पूर्ण अभिव्यक्ति पाने के लिए कर्ता तथा अंतिम वाक्य में क्रिया की आकांक्षा है। इनका शुद्ध रूप होगा–

सुमन स्वेटर बुनती है।　　अध्यापक हिंदी पढ़ाते हैं।　　किसान फसल काट रहा है।

(4) **निकटता या सन्निधि**–लिखते या बोलते समय वाक्य में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों में परस्पर निकटता होना आवश्यक है। इसके साथ ही विराम-चिह्नों का प्रयोग यथास्थान अवश्य किया जाना चाहिए, क्योंकि रुक-रुककर बोले गए शब्दों से अभीष्ट अर्थ की प्राप्ति नहीं होती है; जैसे–

वह मज़दूर, जो कल नहीं आया था, बीमार पड़ गया है।

यह कारखाना, जिसे स्वतंत्रतापूर्व लगाया गया था, अब बंद पड़ा है।

(5) **पदक्रम**–वाक्य में शब्दों को एक निश्चित क्रम में प्रयोग किया जाना ही पदक्रम कहलाता है। क्रम भंग होते ही अर्थ का अनर्थ हो जाता है; जैसे–

घास में मैदान पशु चर रहे हैं।

आसमान चमकने लगा सूरज में।

इन वाक्यों में निहित कोई निश्चित अर्थ स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। इसका कारण है–वाक्य में प्रयुक्त शब्दों के क्रम का अभाव। अब इन्हीं वाक्यों को एक निश्चित क्रम में रखने पर इन्हें इस प्रकार लिखा जाएगा–

मैदान में पशु घास चर रहे हैं।

आसमान में सूरज चमकने लगा।

(6) **अन्वय**–अन्वय का शाब्दिक अर्थ है-मेल। अर्थात् वाक्य में प्रयुक्त कर्ता, काल, वचन, लिंग, कारक आदि का क्रिया के साथ अनुकरणात्मक मेल होना चाहिए। इस अर्थ के बिना भी निहित अर्थ प्रकट नहीं हो पाता है; जैसे–

गीतिका की बहन किताब पढ़ता था।

रोहन कल विद्यालय जाता है।

चलते-चलते वृद्ध सड़क में गिर गया।

इन वाक्यों को शुद्ध रूप में इस प्रकार लिखा जाएगा–

गीतिका की बहन किताब पढ़ती है।

रोहन कल विद्यालय गया था।

चलते-चलते वृद्ध सड़क पर गिर गया।

वाक्य के भेद

वाक्य अनेक प्रकार के होते हैं। इनके भेदों का निर्धारण मुख्य रूप से दो आधार पर किया जाता है–

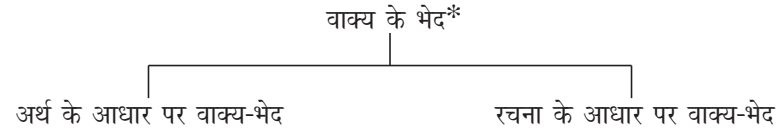

अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद–वाक्य में किस प्रकार के अर्थ का बोध हो रहा है, उसके आधर पर जब वाक्यों को वर्गीकृत किया जाता है तो उसे अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद कहते हैं। इसके अंतर्गत वाक्यों को आठ भागों में बाँटा गया है–

1. **विधानवाचक वाक्य**–जिस वाक्य से कार्य होने की निश्चित सूचना मिलती है, उसे विधानवाचक वाक्य कहते हैं। इस प्रकार के वाक्यों में कही गई बात को ज्यों-का-त्यों स्वीकार कर लिया जाता है, चाहे वह सत्य हो या असत्य। इसे **सकारात्मक वाक्य** के नाम से भी जाना जाता है; जैसे–

प्रभात प्रतिदिन विद्यालय जाता है।	बहुत से अधिकारी ईमानदार होते हैं।
मजदूर ने परिश्रमपूर्वक काम किया।	चार दिन से लगातार वर्षा हो रही है।

2. **निषेधवाचक वाक्य**–जिस वाक्य से काम न करने या न होने का भाव प्रकट होता है, उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों में **'नहीं', 'मत', 'न'** लगा रहता है। इन वाक्यों को **निषेधात्मक या नकारात्मक वाक्य** के नाम से भी जाना जाता है; जैसे–

प्रभात प्रतिदिन विद्यालय नहीं जाता है।	बहुत से अधिकारी ईमानदार नहीं होते हैं।
मज़दूर ने परिश्रमपूर्वक काम नहीं किया।	चार दिन से लगातार वर्षा नहीं हो रही है।

*पाठ्यक्रम में **अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद** ही शामिल है, अतः हम यहाँ इसी का विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

3. **प्रश्नवाचक वाक्य**–जिस वाक्य के माध्यम से कुछ पूछा जाता है तथा जिसके मूल में जिज्ञासा का भाव रहता है, उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं। इनमें **क्या, कब, कहाँ, कैसे, कौन, क्यों, किसका, किसकी, किसके, किनका** आदि प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है। इस प्रकार के वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग अवश्य होता है; जैसे–

प्रभात प्रतिदिन विद्यालय **कैसे** जाता है? **क्या** बहुत से अधिकारी नहीं होते हैं?

मज़दूर परिश्रमपूर्वक **कहाँ** काम करता है? चार दिन से लगातार वर्षा **कहाँ** हो रही है?

4. **आज्ञावाचक वाक्य**–जिस वाक्य में आज्ञा या अनुमति देने अथवा लेने का भाव प्रकट होता है, उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं। ऐसे वाक्यों को **विधिवाचक या आज्ञासूचक वाक्य** भी कहा जाता है; जैसे–

प्रभात, प्रतिदिन विद्यालय जाओ।

अधिकारीगण, अपने काम में ईमानदारी दिखाओ।

मज़दूरो, परिश्रमपूर्वक काम शीघ्र पूरा करो।

सुमन, कृपया मेरे लिए एक नया स्वेटर बुन दो।

5. **इच्छावाचक वाक्य**–जिस वाक्य में कर्ता की आकांक्षा, इच्छा, कामना या आशीवार्द का भाव प्रकट होता है, उसे इच्छावाचक वाक्य कहते हैं; जैसे–

ईश्वर करे, आपकी यात्रा मंगलमय हो। आपको नववर्ष की बहुत-बहुत बधाइयाँ।

हम दोनों की इच्छा है कि हम साथ-साथ रहें। ईश्वर अच्छे काम करने के लिए सभी को सद्बुद्धि दे।

6. **विस्मयादिबोधक वाक्य**–जिस वाक्य से विस्मय, भय, हर्ष, दुख, शोक, घृणा आदि का भाव प्रकट होता है, उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते हैं। इसका दूसरा नाम **उद्गारवाचक** वाक्य भी है। इस प्रकार के वाक्यों के अंत में विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगा होता है। इनकी पहचान **अहा, आह, ओह, अफसोस, छिः, वाह, अरे, शाबाश** आदि देखकर की जा सकती है।

विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग प्रायः इन शब्दों के बाद किया जाता है; जैसे–

अहा! यह पहाड़ी दृश्य कितना मनोरम है।

अरे! यह सुंदर स्वेटर तुमने बुना है।

वाह! डेविड मिलर ने क्या शानदार बल्लेबाजी की, जो हारते मैच को जिता गया।

हाय! चोरों ने सारा घर साफ कर दिया।

अफसोस! गोदाम में लगी आग से सारा माल जलकर राख हो गया।

7. **संदेहवाचक वाक्य**–जिस वाक्य में काम पूरा होने में संदेह होने का भाव प्रकट होता है, उसे संदेहवाचक वाक्य कहते हैं। **शायद, संभवतः** शब्द देखकर इनकी पहचान की जा सकती है। इसके अलावा वाक्य के अंत में चुका होगा, चुकी होगी जैसे शब्दों को देखकर इन्हें पहचाना जा सकता है; जैसे–

काव्या चित्र में रंग भर **चुकी होगी।**

संभवतः इस साल अच्छी वर्षा हो।

शायद इस महीने इस पुल का उद्घाटन कर दिया जाएगा।

अब तक तो मनीऑर्डर पहुँच **चुका होगा।**

सुमन ने स्वेटर पूरा बुन **लिया होगा।**

8. **संकेतवाचक वाक्य**–जिस वाक्य में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है या जिस वाक्य में कार्य किसी शर्त के पूरा होने के बाद ही हो, उसे संकेतवाचक वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों के शुरू में **अगर, यदि** आदि लगे होते हैं, जिससे इन्हें असानी से पहचाना जा सकता है; जैसे–

यदि पेड़ों को कटने से रोका जाता तो प्रदूषण इतना न बढ़ता।

यदि बाढ़ न आती तो फसलें नष्ट न होतीं।

अगर लोग यूँ ही जल की बर्बादी करते रहे तो पीने के लिए पानी भी न मिल पाएगा।

यदि पहले से परिश्रम करते तो सफलता अवश्य मिलती।

अगर अच्छे कर्म करोगे तो समाज में सम्मान पाओगे।

वाक्य-रूपांतरण–वाक्य के कर्ता, कर्म और क्रिया को बदले बिना एक प्रकार के वाक्य से दूसरे प्रकार के वाक्य में बदलना वाक्य-रूपांतरण कहलाता है।

एक ही वाक्य का रूपांतरण हम अर्थ के भेद के अनुसार आठों प्रकार के वाक्यों में कर सकते हैं। एक उदाहरण द्वारा इसे स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है–

सुमन बहुत अच्छा पत्र लिखती है।	–	विधानवाचक
सुमन बहुत अच्छा पत्र नहीं लिखती है।	–	निषेधवाचक
क्या सुमन बहुत अच्छा पत्र लिखती है?	–	प्रश्नवाचक
यदि मैं कहता तो सुमन बहुत अच्छा पत्र लिखती।	–	संकेतवाचक
संभवतः सुमन ने भी बहुत अच्छा पत्र लिखा होगा।	–	संदेहवाचक
मेरी इच्छा है कि सुमन बहुत अच्छा पत्र लिखे।	–	इच्छासूचक
सुमन, बहुत अच्छा पत्र लिखो।	–	आज्ञासूचक
अरे! इतना अच्छा पत्र सुमन ने लिखा है।	–	उद्‌गार या विस्मयवाचक

अभ्यास-प्रश्न

1. वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

2. वाक्य की कौन-कौन सी विशेषताएँ होती हैं?

3. वाक्य-भेद किन-किन आधारों पर किया जाता है, उनके नाम लिखिए।

4. अर्थ के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं? उनके नाम लिखिए।

5. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर भेद लिखिए–

(क) यदि चौकीदार जाग रहा होता तो चोरी न होती। *संकेतवाचक*

(ख) यह खबर मैंने नवभारत टाइम्स समाचार पत्र में पढ़ी। .....

(ग) कल दीपावली होने के कारण समाचार पत्र नहीं छप सका। .....

(घ) मुसाफिर अपनी मंजिल पर पहुँच चुका होगा। .....

(ङ) अगर पुजारी आ गया होता तो पूजा का कार्यक्रम शुरू हो जाता। .....

(च) सुमन तुमने मेरी बात का जवाब नहीं दिया। .....

(छ) मेज पर रखी यह सुंदर-सी घड़ी किसकी है? .....

(ज) अरे! किंग्स इलेवन पंजाब, मैच जीत गया। .....

(झ) यह पत्र आज ही लेटर बॉक्स में डाल देना। .....

(ञ) ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रखे। .....

(ट) यदि वर्षा न आती तो हम पार्क में घूमने जाते। .....

(ठ) शायद माली ने सभी पौधों को पानी दे दिया होगा। .....

(ड) गंगा के पास ही ऊँची पहाड़ी पर मंसादेवी का मंदिर है। .....

(ढ) अरे! कितनी सुंदर घड़ी तुमने उपहार में दी है। .....

6. अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद दिया गया है। उदाहरण के अनुसार उस भेद से संबंधित उदाहरण लिखिए–

(क) विधानवाचक वाक्य — *सुभाष चंद्र बोस ने देश के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया।*

(ख) निषेधात्मक वाक्य .....

(ग) प्रश्नवाचक वाक्य .....

(घ) आज्ञासूचक वाक्य .....

(ङ) संदेहवाचक वाक्य .....

(च) संकेतवाचक वाक्य .....

(छ) विस्मयादिबोधक वाक्य .....

(ज) इच्छासूचक वाक्य .....

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर पुनः लिखिए–

(क) युवा क्रांतिकारी रात में गुप्त स्थान पर एकत्र होकर योजनाएँ बनाते थे। (प्रश्नवाचक)

.....

(ख) जानवरों में गधे को सबसे बुद्धिहीन माना जाता है। (विस्मयादिबोधक)

.....

(ग) झूरी बैलों को मारता-पीटता था। (निषेधात्मक वाक्य)

.....

(घ) यदि हीरा-मोती को मोटी रस्सियों से बाँधा जाता तो वे न भाग पाते। (विधानवाचक)

.....

(ङ) लेखक और उसके साथी तिड्री के विशाल मैदान में थे। (संदेहवाचक)

.....

(च) यह उपहार बहुत कीमती और सुंदर है। (विस्मयादिबोधक वाक्य)

.....

(छ) चारों ओर उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। (इच्छावाचक वाक्य)

.....

(ज) हम बौद्धिक दासता के शिकार होकर पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण कर रहे हैं। (संकेतवाचक वाक्य)

.....

(झ) यदि किसान समय पर फसल बोता तो अच्छी उपज मिलती। (विधानवाचक वाक्य)

.....

(ञ) जाने-अनजाने आज के महौल में हमारा चरित्र बदल रहा है। (प्रश्नवाचक वाक्य)

.....

8. निम्नलिखित वाक्यों को अर्थ के आधार पर उनके भेद से मिलाइए–

(क)	(ख)
(*i*) प्रातः होते ही पक्षी कलरव करने लगे।	(क) संकेतवाचक वाक्य
(*ii*) हमें पानी की एक भी बूँद बर्बाद नहीं करना चाहिए।	(ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(*iii*) संभवतः इस साल यह पुल बन जाएगा।	(ग) आज्ञावाचक वाक्य
(*iv*) तुम दिन-प्रतिदिन सफलता की नई सीढ़ियाँ चढ़ो।	(घ) उद्‌गारवाचक वाक्य
(*v*) आज के नेताओं की बात कौन सच मानेगा?	(ङ) नकारात्मक वाक्य
(*vi*) इस सर्दी में मेरे लिए स्वेटर जरूर बुन दो, सुमन।	(च) विधानवाचक वाक्य
(*vii*) अरे! इस छोटे से बच्चे ने इतना सुंदर चित्र बनाया है।	(छ) इच्छावाचक वाक्य
(*viii*) यदि खिलौने न टूटते तो बच्चा न रोता।	(ज) संदेहवाचक वाक्य

उत्तर

5. (क) संकेवाचक वाक्य
(ख) विधानवाचक वाक्य
(ग) नकारात्मक वाक्य
(घ) संदेहवाचक वाक्य
(ङ) संकेतवाचक वाक्य
(च) नकारात्मक वाक्य
(छ) प्रश्नवाचक वाक्य
(ज) विस्मयादिबोधक वाक्य
(झ) आज्ञावाचक वाक्य
(ञ) इच्छावाचक वाक्य
(ट) संकेवाचक वाक्य
(ठ) संदेहवाचक वाक्य
(ड) विधानवाचक वाक्य
(ढ) विस्मयादिबोधक

6. (ख) हीरा-मोती ने साँड़ को जान से नहीं मारा।
(ग) गया ने भागते हीरा-मोती को कैसे पकड़ा?
(घ) बच्चो, इन पौधे को नष्ट होने और सूखने से बचाओ।
(ङ) देर से पहुँचने पर सुमित शायद नाराज हो जाएँगे।
(च) यदि घोड़ा तेज चलता तो मैं जल्दी पहुँच जाता।
(छ) अरे! तिब्बत में डाकुओं का इतना खतरा है।
(ज) मेरी इच्छा है कि हम बौद्‌धिक दासता न स्वीकारें।

7. (क) क्या युवा क्रांतिकारी रात में गुप्त स्थान पर एकत्र होकर योजनाएँ बनाते थे?
(ख) अरे! जानवरों में गधे को सबसे बुद्‌धिहीन माना जाता है।
(ग) झूरी बैलों को मारता-पीटता नहीं था।
(घ) हीरा-मोती मोटी रस्सियों में बँधने पर न भाग पाते।
(ङ) लेखक और उसके साथी तिड्‌री के विशाल मैदान में होंगे।
(च) ओह! यह उपहार बहुत कीमती और सुंदर है।
(छ) मैं चाहता हूँ कि चारों ओर उत्पादन बढ़ाने पर जोर हो।
(ज) यदि हम पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण करेंगे तो बौद्‌धिक दासता के शिकार होंगे।
(झ) समय पर फसल बोने से किसान को अच्छी उपज मिलती है।
(ञ) क्या जाने-अनजाने में आज के माहौल में हमारा चरित्र बदल रहा है?

8. (*i*) च (*ii*) ङ (*iii*) ज (*iv*) छ
(*v*) ख (*vi*) ग (*vii*) घ (*viii*) क।

स्वयं करें

1. अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद पहचानकर निर्दिष्ट स्थानों में लिखिए–

(क) शायद वह फिर कभी न आए। .....
(ख) कृपया जूते उतारकर अंदर आ जाइए। .....
(ग) देशभक्त देश की आन-बान और शान के लिए जान की परवाह नहीं करते हैं। .....
(घ) ईश्वर तुम्हें सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रखे। .....
(ङ) हरे-भरे वृक्षों को बचाने का कोई तो उपाय सोचो। .....
(च) शायद इस साल अच्छी वर्षा हो। .....
(छ) इस वृद्धा से चला-फिरा नहीं जाता। .....
(ज) वाह! कितना सोच-समझकर बहाना बनाया है। .....
(झ) छिः! कैसा घृणित कार्य किया है तुमने। .....
(ञ) यदि प्रदूषण यूँ ही बढ़ता रहा तो जीना मुश्किल हो जाएगा। .....

2. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम लिखिए और उनके सामने उदाहरण भी लिखिए–

अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद	**उदाहरण**
(क) विधानवाचक	*हीरा-मोती हरी मटर खाकर पेट की आग बुझाने लगे।*
(ख)	.....
(ग)	.....
(घ)	.....
(ङ)	.....
(च)	.....
(छ)	.....
(ज)	.....

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए–

(क) अंग्रेज, देशभक्तों को तरह-तरह की यातनाएँ देते थे। (प्रश्नवाचक)

.....

(ख) भारत ने एकदिवसीय क्रिकेट का विश्वकप जीत लिया। (विस्मयादिबोधक)

.....

(ग) मुझे भी तुम्हारा सहारा चाहिए। (इच्छावाचक वाक्य)

.....

(घ) शरीर के नष्ट होने पर आत्मा नष्ट हो जाती है। (नकारात्मक वाक्य)

.....

(ङ) खाली जगहों पर वृक्ष लगाने से प्रदूषण कम होगा। (संकेतवाचक)

.....

(च) मैं वैष्णो देवी जाता हूँ। (इच्छावाचक)

.....

(छ) क्या मैं पार्क में घूमने जा सकता हूँ। (आज्ञावाचक)

.....

(ज) क्या सुमन ने खाना बना लिया है? (विधानवाचक)

.....

(झ) यह पार्क अत्यंत मनोरम है। (विस्मयादिबोधक)

.....

रचनात्मक मूल्यांकन

क्रियाकलाप–अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद संबंधी प्रपत्र भरवाना।

उद्देश्य– अर्थ के आधार पर वाक्य-भेदों और उनके उदाहरणों की अवधारणा स्पष्ट कराना।

प्रक्रिया–
- अध्यापक छात्रों को वाक्य की परिभाषा विशेषता, उनके भेद, उदाहरण आदि को संक्षेप में बताएँगे।
- अध्यापक छात्रों में निम्नलिखित प्रपत्र वितरित करेंगे, जिसे भरकर छात्र अध्यापक को वापस करेंगे।

प्रपत्र-कार्य–

वाक्य	**अर्थ के आधार पर भेद का नाम**
(क) इसी रास्ते से हिंदुस्तानी वस्तुएँ भी तिब्बत जाती थीं।	.....
(ख) तिब्बत में जाति-पाँति, छुआछूत, पर्दा-प्रथा जैसी कुप्रथाएँ नहीं थीं।	.....
(ग) अरे! लेखक और उसके साथी भिखमंगों के वेष में यात्रा कर रहे थे।	.....
(घ) अहा! तिङ्री का टापू जैसा विशाल मैदान कितना मनोरम है।	.....
(ङ) विज्ञापन की बातों पर विश्वास करके सामान मत खरीदो।	.....
(च) अंततः इस संस्कृति के फैलाव का परिणाम क्या होगा?	.....
(छ) यदि हम पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण न करते तो सामाजिक सरोकारों में कमी न आती।	.....
(ज) संभवतः कांजीहौस में बंद सभी जानवर अपने-अपने घर पहुँच गए होंगे।	.....
(झ) अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते तो शायद सभ्य कहलाते।	.....
(ञ) साँड़ झल्लाकर हीरा का अंत करने के लिए उस पर झपट पड़ा।	.....

मूल्यांकन का आधार–प्रत्येक सही उत्तर के लिए आधा (½) अंक दिया जाए।

❑❑❑